मोहयाल मित्र

चुनाव आचार-संहिता

■ *मेजर जनरल के.के. बक्शी (सेवानिवृत)*

जनरल मोहयाल सभा के संविधान (15 मई 2011) के अनुसार जी.एम.एस. के चुनाव होने हैं। जी.एम.एस. सौ वर्षों से अधिक समय से बिरादरी की सेवा करती आ रही है। इसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना और बिरादरी की एकजुटता बनाए रखना है।

हमारा नैतिक कर्त्तव्य हो जाता है कि हम इस अवसर के लिए तैयार हों। चुनाव–प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो। हम निम्नलिखित आचार–संहिता का पालन करें–

- मतदान के योग्य मतदाता किसी भी प्रकार के भय, पक्षपात अथवा बिना बाहरी दबाव के अपने मत का प्रयोग करें।
- जी.एम.एस. की परंपरा रही है कि हमने उच्च नैतिक मूल्यों का पालन किया है। इन मूल्यों को बनाए रखें और मोहयाली भावना को जीवंत रखें।
- प्रत्येक मोहयाल ईमानदार और त्याग करने वाला है तथा बिरादरी के प्रति समर्पित है। यह भावना दिखाई भी देनी चाहिए और इसका हमेशा पालन करना चाहिए।
- समस्त मोहयाल सदस्यों से निवेदन है कि वे एक–दूसरे के प्रति सम्मान और आदर का भाव तथा शांति बनाए रखें।

मिशन-सेवा सर्वोपरि

जियो इंडिया जिन्दादिल ट्रस्ट, चलते चलते आज पाँचवा वर्ष की दहलीज़ भी पार कर गया। सेवा सर्वोपरि, समर्पण, अपनापन, जीवन जीने की कला व न्यास की मुख्य पंक्ति "जिन्दा रहना और जिन्दगी जीने में अंतर होता है" को चरितार्थ करते हुए न्यास की कर्मठ कार्यशैली के साथ, कई पड़ावों पर दुःख दुःख की अनुभूति करते हुए यह सफर इतना प्रेरणादायी और आत्मसंतोष से भरा होगा, कम से कम हमने व्यक्तिगत रूप से इसकी कल्पना नहीं की थी।

वर्ष 2010 में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी बाली जी (अध्यक्ष जीएमएस) ने श्री संदीप बाली 'गुरुभाई' की पुस्तक "जियो इंडिया जिन्दादिल" के अनावरण के साथ ही ट्रस्ट की स्थापना करते हुए इस सफर के लिए हरी झंडी दिखाई थी। इसके उपरान्त सामाजिक जनजागरण कार्यों के साथ–साथ, रक्तदान शिविर, स्वामी विवेकानन्द युवा स्कालरशिप द्वारा प्रोत्साहन, उत्तराखण्ड त्रासदी में सहयोग, संदेश यात्राएँ विश्व पुस्तक मेले (प्रगति मैदान) में भाग, जिन्दादिल वर्कशाप आदि का आयोजन समय–समय पर चल रहा है।

हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी न्यास के सदस्यों व सहयोगियों के साथ जिन्दादिल संदेश यात्रा (हरिद्वार–ऋषिकेश) का आयोजन दिनांक 16–17 मई, 2015 को किया गया। मोहयाल आश्रम, हरिद्वार में रहकर सभी ने यात्रा की अद्भुत यादों को एकत्रित किया।

जिन्दादिली आदि विषयों पर बोलते हुए श्री संदीप बाली 'गुरुभाई' ने कहा– दुखों, बाधाओं, कष्टों से मुक्ति–जिंदादिली है एक मात्र मुक्ति साथ ही उन्होंने कहा– "जियो इंडिया जिन्दादिल ट्रस्ट का मिशन के रूप में आपके सामने है। ट्रस्ट की कार्यप्रणाली जीवन के दुखों एवं परेशानियों का मुकाबला ज़िन्दादिली और अध्यात्म से करने की प्रेरणा देती है क्योंकि इससे एकाग्रता और परिपूर्णता आती है जिससे दक्षता और बेहतर उत्पादकता में मदद मिलती है। इसके साथ ही ट्रस्ट सामाजिक बुराइयों व अन्धविश्वास के विरोध में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। और अन्त में उन्होंने दोहराया...

नादान है जो जिन्दगी का पैमाना गम में पाते हैं, मुर्दादिल इंसान क्या खाक जिया करते हैं।
मुस्कराते हुए जिन्दगी में करना हर एक काम है, क्योंकि जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है।

संदीप बाली *गुरुभाई, 1055–ए, वार्ड 8, महरौली, नई दिल्ली–30 मो. 9810069899, 9810079899*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शुभ विवाह पर बधाई

सिल्की बाली सुपुत्री श्रीमती आरती बाली व श्री रुबल बाली पौत्री स्वर्गीय रायज़ादा अनन्तराम बाली व श्रीमती शकुन्तला बाली निवासी 43, प्रेमनगर, अंबाला शहर का शुभ विवाह **पराग तनेजा** सुपुत्र श्री भीमसेन तनेजा व श्रीमती सुशील तनेजा निवास हिसार हरियाणा के साथ दिनांक 30.11.2014 को अंबाला में हुआ। इस शुभ अवसर पर सिल्पी बाली के माता व पिता ने 501 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 501 रुपए रायज़ादा अनन्त राम बाली विधवा फंड ट्रस्ट जीएमएस को भेंट किए।–*पंकज बाली, जीएमएस मैनेजिंग कमेटी सदस्य व महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला।*

जन्मदिन की बधाई

श्री पंकज बाली (जी.एम.एस. मैनेजिंग कमेटी सदस्य व महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला सुपुत्र श्रीमती आशा बाली व विरेन्द्रपाल बाली पौत्र श्रीमती शकुन्तला बाली व स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली निवासी 43 प्रेमनगर, अम्बाला शहर अपने जन्मदिन 28.06.2015 के उपलक्ष्य में 151 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 151 रुपए जीएमएस के ट्रस्ट स्वर्गीय रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल विधवा फंड ट्रस्ट में भेंट करते हैं।–*अमित बाली (9896732974)*

जन्मदिन व परीक्षा उत्तीर्ण पर बधाई

बेबी यशिका बाली सुपुत्री श्रीमती इन्दू बाली व पंकज बाली पौत्री श्रीमती आशा बाली व विरेन्द्रपाल बाली पड़पौत्री श्रीमती शकुन्तला बाली व स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली निवासी 43, प्रेमनगर, अंबाला शहर के कक्षा यू.के.जी. में मैरिट में आने पर व उसके जन्मदिन 5.07.2015 पर उसके चाचा व चाची श्रीमती शिप्ता बाली व अमित बाली व बहन ध्रुवी बाली एक सौ एक रुपए जीएमएस के स्व. रायजादा अनन्तराम बाली विधवा फंड ट्रस्ट व एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अम्बाला शहर को भेंट किए।–*पकज बाली, जीएमएस मैनेजिंग कमेटी सदस्य मो. 8950516822*

बधाईयाँ

चूम लेती है मंजिल खुद आकर कदम
मगर जब मुसाफिर हिम्मत न हारे।

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में टापर्स आने वाले छात्र–छात्राओं को बहुत–बहुत बधाई व शुभकामनाएँ। सफलता सहज ही नहीं प्राप्त हो जाती है। लग्न एवं मेहनत से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। भले ही सफलता हमें देर से प्राप्त हो। सफलता प्राप्ति के लिए मनुष्य को धैर्य पूर्वक निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए। प्रयास कभी भी निष्फल नहीं होता है। बार–बार प्रयास करने से मनुष्य अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त कर लेता है। यह सब जितनी एक आम आदमी के लिए जरूरी है, उतना ही जरूरी एक छात्र के लिए। छात्र यदि प्रारम्भ से ही लगन एवं मेहनत से कक्षा में अध्यन करेगा तो उसे परीक्षा में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी, सफलता तो उन्हें भी मिल जाती है, जो कम मेहनत करते हैं। उनकी यह सफलता क्षणिक होती है। परीक्षा में अधिकांश छात्र सफल हो जाते हैं। जो छात्र सर्वाधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें समाज में जो सम्मान मिलता है उसका आनन्द अलग ही होता है सामान्य अंको से उत्तीर्ण होने वाले छात्र व सम्मान प्राप्त नहीं कर पाते है, जिसकी वह कल्पना करते हैं। हर अध्यापक व माता–पिता की इच्छा होती है उनका शिष्य एवं बच्चा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो। इसके लिए हर संभव प्रयास भी किए जाते हैं, लेकिन वह प्रयास तब तक निरर्थक है जब तक छात्र स्वयं मेहनत एवं लगन की अंगीकार न कर ले।

आज की प्रतियोगिता के युग में उत्तीर्ण होना ही सब कुछ नहीं है। किताबी ज्ञान के अलावा मोहयाल बिरादरी की जानकारी होना जरूरी है। आज का छात्र किताबी कीड़ा बन कर रह गया है। माता–पिता का दायित्व है कि वह छात्र को इस तरह प्रेरित करे कि वह नियमित शिक्षण के साथ भाई मतिदास जी, नंदा वैरागी, परमानन्द जी, व मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली को भी अपना आदर्श मानकर प्रेरणा ले।

अतः प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन में तभी सफलता प्राप्त कर सकता है, जब वह अपने आपको दृढ़ संकल्पी और आत्म विश्वासी बनाएगा। जब मनुष्य में ये सब गुण होगें, तो वह कठोर परिश्रम करके अपने जीवन में अवश्य सफल हो सकता है। खुदा भी उन्हीं इन्सानों पर मेहरबान होता है, जो अपने इरादों को बुलंद रखता है। तभी तो कहा भी गया है–

खुदी को कर बुलंद इतना
कि हर तकदीर से पहले,
खुदा बन्दे से पूछे बता तेरी रज़ा क्या है

बक्शी रवि दत्ता, *पटेल नगर, सहारनपुर*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

यमुनानगर

सभा की मासिक बैठक दिनांक 7 जून सांय 5 बजे मोहयाल भवन सरोजनी कालोनी फेस नं.1 में मेहता विपिन मोहन जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्र के साथ सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 18 सदस्यों ने भाग लिया।

शोक समाचारः युवा अमित मेहता सुपुत्र श्री राजीव मेहता (28 वर्ष) का निधन 26.04.2015 को हुआ। दो मिनट का मौन रखकर पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

शुभ स्वास्थ्यः 1. श्री सुभाष दत्ता जी सभा के वरिष्ठ सदस्य का सड़क दुर्घटना में टाँग का फरैक्चर हो गया।

2. श्री विनोद मेहता (छिब्बर) महासचिव सभा का सफलतापूर्वक हरनिया का आप्रेशन हुआ। इन दोनों के शुभ स्वास्थ्य के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

शुभ विवाहः कुमारी श्रुति मेहता सुपुत्री श्रीमती अंजू मेहता एवं स्वर्गीय श्री दीपक मेहता का शुभ विवाह 30.05.2015 को श्री अमन मेहता सुपुत्र श्रीमती कुसुम एवं श्री मनमोहन मेहता के साथ यमुनानगर में विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ। (बधाई के साथ आशीर्वाद)

मेहता विपिन मोहन प्रधान सभा ने सूचित किया कि नवनिर्माण भवन का नक्शा पास हो गया है और जीएमएस के अश्वासन के अनुसार लगभग इसी मास में काम शुरू हो जाएगा और इस शुभ काम की निगरानी के लिए श्री राजिन्द्र बाली जी सुपुत्र श्री सूरज प्रकाश बाली एवं श्री प्रेम छिब्बर निवासी सरोजनी कालोनी फेस–1 के नामों को सर्वसम्मति से मंजूर किया गया।

अंत में उपस्थित सदस्यों को एक सी.डी के द्वारा दिखाया गया कि दिल्ली स्थित लगभग 400 करोड़ रुपए की मोहयाल शिक्षा समिति की सम्पति को बेच पैंसे लेते दिखाया गया है। यह सौदेबाजी 40 लाख की सी.डी द्वारा पता चला है जबकि इतनी बड़ी सम्पति के लिए 40 करोड़ रुपए को नकारा नहीं जा सकता। अतः इसके लिए यह सभा निष्पक्ष जाँच के लिए प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास करती है।

दूसरे एक अत्यंत गम्भीर विषय पर भी चर्चा हुई कि कुछ शरारती तत्व जो मोहयाल हैं वह फ़ेसबुक वट्सऐप के जरिए गणमान्य मोहयालों को घिनौने तरीके से कीचड़ उछालने, बदनाम करने एवं चरित्र हत्या करने का गंदा कार्य कर रहे हैं। यह सभा जीएमएस से सभा द्वारा पास किए गए प्रस्ताव से प्रार्थना करती है कि उनके विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाए। सभा द्वारा पास किए गए प्रस्ताव की कापी सदस्यों के हस्ताक्षरों सहित साथ भेजी जा रही है।

विनोद मेहता (छिब्बर), *महासचिव* ***बक्शी नंदलाल भिमवाल,*** *सचिव*
मो.: 9812027781 *मो. 9416868324*

नकल प्रस्ताव क्रमांक 01... दिनांक 7.06.2015 समय 6 p.m. की सामान्य मोहयाल सभा की मीटिंग में पास हुआ।

प्रस्ताव संख्या 103....
एक अत्यन्त गम्भीर विषय जिसमें मोहयाल बिरादरी एवं सभा के कार्यकारिणी सदस्यों के विरूद्ध कीचड़ उछालने तथा विषैले शब्दों का प्रयोग किया गया। संपूर्ण विषय पर वार्तालाप के उपरान्त मोहयाल बिरादरी द्वारा निम्न प्रस्तावों को पारित किया गया है।

जैसा कि सी.डी में दिखाई देता है कि दिल्ली स्थित लगभग 400 करोड़ रुपए की मोहयाल शिक्षा समिति की सम्पत्ति को 40 लाख रुपए में दे दिया गया जो कि मोहयाल सभा के विरूद्ध एक अत्यन्त गम्भीर एवम् जघन्य अपराध है जिसकी कड़े शब्दों में निन्दा की जाती है।

1. 40 लाख रुपए की सौदेबाजी केवल सी.डी. में दिखाई गई है जबकि पूर्ण संभावना इस बात की भी है कि ऐसी महत्वपूर्ण सम्पत्ति पर कब्जे हेतु 40–50 करोड़ रुपए की सौदेबाजी को भी नकारा नहीं जा सकता। अतः यह निर्णय लिया गया है कि वास्तविक तथ्यों को उजागर करने हेतु किसी प्राइवेट संस्था से इसकी निष्पक्ष जाँच कराई जाए।

2. कुछ षडयन्त्रकारी एवं असामाजिक तत्व जो कि मोहयाल बिरादरी का हिस्सा होते हुए भी फेसबुक, वट्सऐप के जरिए मोहयाल के गणमान्य सदस्यों के विरूद्ध एक घिनौना षडयन्त्र रच रहे हैं। सभा को बदनाम करने हेतु सभा के माननीय सदस्यों की चरित्र हत्या, कीचड़ उछालना, जहर उगलना तथा नफरत फैलाने जैसे घिनौने कार्यों में लगे हैं। अपने व्यक्तिगत अभिमान की पूर्ति एवं सस्ती मसहूरी हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी को चिट्ठी लिखी। जबकि मोहयाल बिरादरी सामाजिक उत्थान, जागरूकता एवं मोहयाल भाई बहनों के उत्थान एवं भाईचारे के प्रति सदा सजग एवं प्रयत्नशील रहे हैं।

3. इन असमाजिक तत्वों ने अपने षडयन्त्र को अन्जाम तक पहुँचाने हेतु एक अत्यन्त पवित्र एवं चमत्कारिक व्यक्तित्व, सभी के आदरणीय एवं 80 साल के बुजुर्ग को भद्दे एवं ध मकाने वाले शब्दों में चिट्ठी लिखी जिसका जवाब 8 घंटे के भीतर देने को कहा। जबकि उसमें न कोई तथ्य और न ही कोई सच्चाई है। केवल उनके षडयन्त्र का ताना–बाना है। जिसमें उस महान एवं उत्तम चरित्र को बदनाम करने का एक नीचा प्रयास किया गया।

4. इस बात की पूर्ण आशंका है कि इस षडयन्त्रकारी गिरोह का अगला निशाना मोहयाल सभा की चंडीगढ़ स्थित सम्पत्ति

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

है जिसे यह ठीक उसी तरह हथियाने की कोशिश में है इनकी गतिविधियाँ केवल शक के दायरे में ही नहीं है। बल्कि इसके पुख्ता सबूत भी मौजूद है। इसलिए सावधान रहने की आवश्यकता है।

सर्वप्रथम यह कोशिश की गई थी कि इन शंकायुक्त व्यक्तियों को समझा बुझा कर मोहयाल सभा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। परन्तु अनेक प्रयासों के बावजूद यह पाया गया कि यह शरारती एवं दिशाहीन व्यक्ति सुधरने योग्य नहीं है। ऐसे व्यक्तियों के समूह को बिरादरी से निष्कासित किया जाए तथा साथ ही इनका सामाजिक बहिष्कार भी किया जाए यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया है–

1.	Vipan Ku. Mohan, *President*	9416590909
2.	Yash Pal Mohan	9050346180
3.	Sanjeev Dutta	9466210253
4.	Rajinder Kumar Bali	9996003444
5.	Bk. Nand Lal Bhimwal	9416868324
6.	Prem Chhibber	9896176903
7.	Manoj Mehta	9466391716
8.	Vijay Mehta	9354568242
9.	Sandeep Dutta	9315609607
10.	Om Parkash Dutta	9896259407
11.	Anubhav Chhibber	9541295969
12.	Chander Ku. Dutta	01732-232543
13.	Darshan Lal Bali	9996193040
14.	Sanjay Vaid	9812045061
15.	Amar Jeet Chhibber	9896649577
16.	Vinod Mehta	9812027781

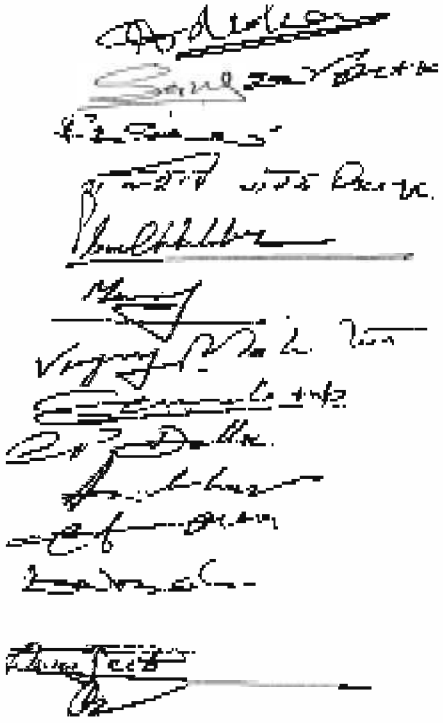

मोहयाल सभा यमुनानगर की सात जून 2015 की मीटिंग की रिपोर्ट और प्रस्ताव, सभा द्वारा पारित और प्रकाशनार्थ भेजे गए हैं। वैधानिक दृष्टि से सभी दायित्व मोहयाल सभा यमुनानगर के हैं। इसके लिए संपादक (हिंदी) उत्तरदायी नहीं है।

सहारनपुर

सभा की मासिक बैठक दिनांक 9 जून हकीकत नगर स्थित अनिल बक्शी प्रधान के निवास पर इन्हीं की अध्यक्षता व रवि बक्शी के संचालन में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ गायत्री मंत्र के जाप से हुई। वरिष्ठ सदस्य पवन दत्ता व मनोज बाली ने संयुक्त रूप से सभी को संगठित होने पर बल दिया। उन्होंने कहा बच्चों को भी अपने साथ कभी–कभी लाए उन्हें भी मोहयालियत का पता चल सके। मुकेश दत्ता ने कहा जो बच्चे अच्छे अंक लेकर पास हुए है उनका नाम जीएमएस में भेजा जाए।

संयुक्त सचिव राजेश बाली ने कहा जो फिर से सदस्यों के घर में जाकर सभा होनी शुरू हुई है, यह हर्ष का विषय है परिवार वालों को भी मिलकर पहचान बढ़ती है। रवि बक्शी ने कहा व्यापार करने वाले मोहयाल बंधुओं को देखते हुए मासिक सभा मंगलवार को ही रखी जायेगी। श्री बख्शी ने कहा गौरव बख्शी पुत्र अनिल बक्शी 'भोली' ने अपने दादा जी

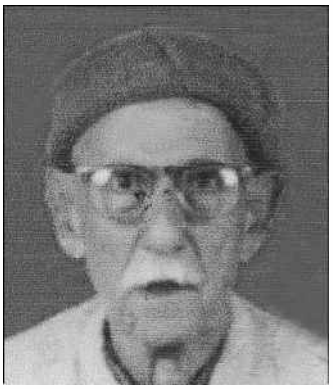

स्व. श्री नारायण स्वरूप बख्शी की *बरसी* (22 अगस्त) के उपलक्ष्य में ग्यारह हजार रुपए लंगर फंड हरिद्वार व 5200 रु. सहारनपुर सभा को दान के रूप में दिए। सभी सदस्यों ने सफल आयोजन के लिए अनिल भोली का धन्यवाद किया।

आगामी बैठक 7 जुलाई 2015 को रवि बख्शी के निवास पटेल नगर में होगी। नये सदस्य जयंत मोहन का स्वागत किया गया।

मुकेश दत्ता

(मोहयाल सभा के लेटर हैड पर रिपोर्ट भेजा करें। सभा के पदाधिकारियों का फोन नं. अवश्य लिखें।)

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की माह जून की बैठक दिनांक 07.06.2015 को अध्यक्ष महोदय कर्नल (सेवानिवृत्त) श्री ए.वी. मोहन जी के निवास 68 मान बिहार, शमशाबाद रोड, आगरा में सम्पन्न हुई, जिसमें 46 तापमान की गर्मी के बावजूद भी लगभग 25 भाई–बहनों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम कमेटी के उपाध्यक्ष श्री बालकृष्ण मोहन के जन्मदिन 05. 06.2015 के उपलक्ष में सभी भाई–बहनों ने श्री बालकृष्ण जी को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री बालकृष्ण जी ने आगरा मोहयाल सभा को 501 रुपए भेंट की जिसका सभा द्वारा स्वागत किया है।

हमारे पूर्व सचिव आगरा सभा के (सर्वप्रिय चाचाजी, मेहता जी, अंकल जी, स्व. श्री कमलेश मेहता जी) जिनका जन्मदिन 5.05. 2015 को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा उनके घर पर म.न. ए–201, डिफेंस कालोनी, दिल्ली–24 पर हवन द्वारा उनके ससुर श्री आर.डी.एस. बाली व दोनों पुत्रों श्री गौरव व बैभव छिब्बर व पुत्रवधु रीना व कीर्ति छिब्बर तथा बेटी रीतु व दामाद अजय दत्ता एवं सभी छोटे बड़े बच्चों ने पूर्ण सम्मान सहित जन्मदिन मनाया। इस उपलक्ष में श्रीमती आशा मेहता ने अपने पति स्व. श्री कमलेश मेहता के जन्मदि पर जीएमएस को 1100 रु. शिक्षा फंड में व 100 रु. मोहयाल सभा आगरा को प्रदान किए, जिसका सभी ने बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

सभा के पूर्व आंकेक्षक श्री अमृतलाल मोहन ने अपने स्वर्गवासी पुत्र श्री संजीव मोहन के निधन 02.07.02014 को उनके वर्सी पर मोहयाल सभा आगरा को 1100 रु. एवं जीएमएस को 1100 रुपए प्रदान किए। सभी ने उनका धन्यवाद किया।

सदस्यताः श्री रविन्द्र मोहन मेहता जी द्वारा मोहयाल सभा आगरा की वर्ष 2015–16 हेतु सदस्यता ग्रहण की जिसका सचिव महोदय एवं अन्य सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

मोहयाल मित्र सदस्यताः श्री रविन्द्र मोहन मेहता जी ने वर्ष 2015–16 हेतु मोहयाल मित्र की सदस्यता भी ग्रहण की। इस पर सचिव महोदय द्वारा अधिक से अधिक सदस्यों को मोहयाल मित्र की सदस्यता हेतु अपील की।

शोकः श्रीमती ऋचा दत्ता पत्नी स्व. श्री रमेश दत्ता के निधन पर दो मिनट का शोक प्रकट किया एवं उनकी आत्मा के शांति हेतु गायत्री मंत्र व शांति पाठ का जाप किया।

अन्त में श्री कामरान दत्त जी संयोजक महोदय द्वारा श्री ए.वी. मोहन के द्वारा अतिथियों के स्वागत करने पर पूर्ण रूप से सम्मान हेतु अपनी व कमेटी की ओर से धन्यवाद दिया तथा अगले माह की मीटिंग 05.07.2015 को श्री राजेश दत्ता के निवास 20, निखिल गार्डन, शमशाबाद रोड, आगरा, मो. 9897205558 होने की घोषणा की व सभा के अन्त में जय मोहयाल के नारों के बाद सभा का समापन किया।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मो. 9897455755

अंबाला कैंट

दिनांक 07.06.2015 4 ट्रिब्यून बाग पर कमांडेंट पीआर मेहता (रिट) की अध्यक्षता में मासिक मोहयाल मीटिंग का आरंभ हुआ। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के बाद महासचिव ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। वरिष्ठ उपप्रधान जी ने मोहयाल सदस्यों का स्वागत किया साथ ही अनुभव किया कि सदस्यों की वृद्धि की बजाए कमी देखकर अप्रसन्नता प्रकट करना स्वाभाविक था। उन्होंने कहा कि सभा में अधिक से अधिक मोहयाल शामिल हों ताकि जीएमएस द्वारा लिख गए पत्रों पर विस्तार से चर्चा हो तथा उसके अनुरूप सुझाव भेजे जा सके।

स्वास्थ्य कामनाः आई आर छिब्बर (प्रधान) व कुलदीप मेहता जी जो अस्वस्थ चल रहे हैं उनके शीघ्र ठीक होने की कामना की गई।

मोहयाल मित्र का न मिलना चर्चा का विषय रहा श्री कुलदीप मेहता, एसके मेहता, आर.के.सी दत्ता जी की शिकायत पर एमएल दत्ता जी ने भरोसा दिया कि जीएमएस में 13 जून को इस विषय पर जरूर चर्चा होगी।

जीएमएस आजीवन सदस्य बनने के लिए 3100 रु. भेजने होंगे। यह राशि दो किश्तों में भी भेजी जा सकती है। पहली 1600 रु. तथा दूसरी छः महीने के बाद 1500 रु. भेज सकते हैं।

श्री एस.एन. दत्ता द्वारा प्रकाशित पत्र (पेज न.28) को पढ़ कर सुनाया गया, जिसमें एक कन्या के लिए शिक्षा–दीक्षा की पूरी जिम्मेवारी का लेखक ने वादा किया है। ऐसा कोई बच्ची, जिसके माता–पिता शिक्षा देने में असमर्थ है जरूर जीएमएस को लिखें।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान 2015 के लिए जीएमएस ने प्रार्थना पत्र मांगे हैं। जिन विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत या ऊपर अंक प्राप्त करके 10वीं या 12वीं कक्षा पास की है, आवेदन पत्र सभा द्वारा या सीधे जीएमएस को भेज सकते हैं।

कुछ विधवाओं का कहना है कि उन्हें अभी तक विधवा सहायता राशि नहीं मिली। इस विषय को भी जीएमएस की मीटिंग के लिए नोट कर लिया गया है।

दान राशिः कमां पी.आर. मेहता 500 रु., एमएल दत्ता 200 रु. , एम.के. वैद, नरेश वैद, दीपक दत्ता सभी ने 100–100 रुपए और नवीन वैद ने 400 रु. दान राशि दी है। प्रधान जी ने सबका धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की। अगली मासिक मीटिंग दीपक होम्योज़ अंबाला कैंट पर शाम 5.30 बजे 5 जुलाई 2015 को होगी।

एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 3 मई 2015 को जंज घर मार्डन कॉलोनी आई.टी.आई में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। सभा के सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। इस अवसर पर युवा सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। सभा के उपप्रधान श्री नरेश मेहता ने सभा की सदस्यता बढ़ानें पर जोर दिया तथा यह निर्णय लिया गया की घर–घर जा कर सभी मोहयालों को सदस्य बनाया जाए एवं सभा में आने के लिए प्रेरित किया जाए।

सभा के सदस्यों ने मोहयाल मित्र देर से मिलने की शिकायत की सभा जी.एम.एस. से आग्रह करती है कि हर माह समय पर मोहयाल मित्र डिसपेच हो। अंत में प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

सुरेन्द्र मेहता (छिब्बर), *महासचिव*

उत्तम नगर-नई दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक बैठक 7 जून 2015 को संजय बक्शी (छिब्बर) के निवास स्थान डी–19, मनसा राम पार्क में श्रीमती रमा दत्ता जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रों एवं मोहयाल प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई। जिसमें कई मोहयाल भाई–बहनों और हमारे आदरणीय बुजुर्गों के साथ कुछ नये परिवारों ने भी हिस्सा लिया। श्रीमती डिंपी दत्ता जी ने उन सबका परिचय हम सबसे कराया। सभा को सुचारू रूप से आगे बढ़ाते हुए विनीत छिब्बर (महासचिव) ने बताया कि हमारे प्रधान श्री एस.पी. वैद जी अपने नये घर के निर्माण हेतु देहरादून होने के कारण, उनकी अनुमति के साथ इस मीटिंग का आयोजन रखा गया है।

सभा में मिलजुल कार्य करने के लिए सबसे सुझाव मांगे जाने पर श्रीमती शेफाली बक्शी ने सुझाव दिया कि दिल्ली से बाहर हमारे मोहयाल आश्रम में एक छोटा से सहपरिवार गेट–टूगेदर का आयोजन किया जाए। सबने अपनी सहमति दी और इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए अविनाश दत्ता एवं संजय बक्शी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

सभा ने उन सभी बच्चों को शुभ–कामनाएँ दीं जिन्होंने 10वीं एवं 12वीं में अच्छा परिणाम लेकर हमारे मोहयाल कौम का सर ऊँचा किया। श्रीमती रमा दत्ता ने अपनी पोती मेघा दत्ता सुपुत्री श्री दीपक दत्ता के 12वीं कक्षा में 79 प्रतिशत लाने पर सभा को 100 रुपए और जीएमएस को 100 रुपए दान दिए। साथ ही श्री सुरिंदर बक्शी (छिब्बर) जी ने भी अपने पोते आयुष बक्शी (सुपुत्र श्री संजय बक्शी) के 10वीं में 88 प्रतिशत नंबर आने पर सभा को एक सौ एक रुपए भेंट किए।

शांति पाठ के साथ सभा के अंत में सभी सदस्यों ने श्रीमती शेफाली बक्शी और उनकी सुपुत्री महिमा बक्शी जी को लजीज जलपान के लिए धन्यवाद दिया।

विनीत छिब्बर, *महासचिव*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 7 जून 2015 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद कैप्टन सुदेश दत्ता जी के नए निवास स्थान पर हुई, जिसमें 18 भाई–बहनों व बच्चों ने भाग लिया। बैठक में आए सभी सदस्यों ने कैप्टन सुदेश दत्ता परिवार को बधाई दी। इसी खुशी में कैप्टन सुदेश दत्ता जी ने जीएमएस को 251 रुपए व बराड़ा मोहयाल सभा को 251 रुपए दिए।

अन्त में सभी सदस्यों ने जलपान के लिए कैप्टन सुदेश दत्ता परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

नजफगढ़-नई दिल्ली

सभा की मासिक बैठक 7 जून 2015 को प्रधान श्री शेरजंग बाली जी को अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता के निवास स्थान के आंगन रोशनपुरा में हुई। जिसमें लगभग 18 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना से सभा प्रारम्भ हुई।

प्रधान शेरजंग बाली जी ने मोहयाल परिवारों के विद्यार्थियों के इस वर्ष परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर सभी मोहयाल विद्यार्थियों को सभी ने आशीर्वाद दिया व उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रभु शुभकामनाएं दीं।

सभा के सभी ने अपने विचार रखे। सभा के प्रधान श्री शेरजंग बाली जी और गोपाल मोहन छिब्बर जी बलदेव दत्ता जी ने सभा की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया तथा निर्णय लिया गया कि अलग–अलग मोहयाल सदस्यों के घर पर मीटिंग की जाए।

सभा में आए सभी भाई–बहनों का स्वागत सत्कार हेतु विशेष धन्यवाद दिया तथा अगली मीटिंग 5.07.2015 को ऊषा बाली एम–86, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली में होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

हर्ष दत्ता, *सचिव*
मो. 9312174583

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रथम पुण्य-तिथि

एक बरस बीता मानो एक युग की तरह
चले गए हम सबको छोड़कर आप जाने कहाँ

हमारे पूज्यनीय पापाजी स्व. **श्री प्रेमनाथ छिब्बर** जी सुपुत्र स्व. डा. जगननाथ छिब्बर व स्व. कृष्णा छिब्बर जी का जन्म पाकिस्तान के झेलम शहर में हुआ। वे बहुत ही शांत व मृदुभाषी स्वभाव के मेहनती व्यक्ति थे। वे भिलाई स्टील प्लांट में 1958 से 1990 तक टीएक्आर के पद पर कार्यरत रहे। 1961 में उनका विवाह श्रीमती उर्मिला छिब्बर से हुआ। 1988 में मम्मी का निधन हो गया। मम्मी जी ने अपनी मृत्यु के बाद अपने नेत्रों का दान किया था। सन् 2000 में वालेन्टरी रिटायरमेंट लेने के बाद पापाजी दिल्ली में महरौली में अपने भाईयों के परिवार श्री सुरिन्दर छिब्बर, नरेन्दर छिब्बर, अशोक छिब्बर व स्व. विनोद छिब्बर के साथ रहने लगे।

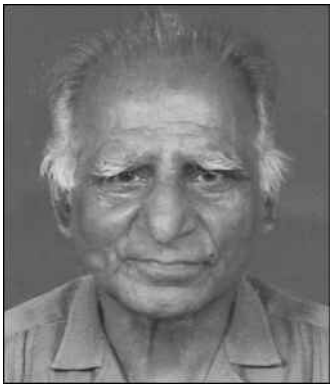

उनका निधन 23 अगस्त 2014 को हुआ। मृत्यु के पहले ही उन्होंने अपने नेत्रों का दान किया हुआ था। सन् 2000 में उनके पुत्र अरविन्द छिब्बर का भी निधन हो गया था। इनकी तीन पुत्रियाँ सविता दत्ता, नीलम वैद और सीमा मेहता हैं। उनकी तीनों बेटियों सविता दत्ता, नीलम वैद, सीमा मेहता की तरफ से पापाजी, मम्मी जी और भाईयों की स्मृति में 11000 रुपए जीएमएस लंगर फंड हरिद्वार को प्रदान कर रहे हैं। लंगर तिथिः 23 अगस्त।

सविता दत्ता, सदर बाजार,दिल्ली, मो. 09811598498
नीलम वैद, साहिबाबाद, यू.पी. मो. 09911293144
सीमा मेहता, विकासपुरी, दिल्ली, मो. 09891924449

श्री ओंकारनाथ दत्ता की पुण्य-तिथि

यूँ तो अपने प्रियजन जो सदा के लिए बिछुड़ जाते हैं वे कभी भी भूल नहीं पाते, परन्तु पुण्य–तिथि के विशेष दिन पर उनकी याद फूलों की खुशबू की तरह घर के हर एक कोने–कोने से आती है। घर के सभी सदस्य पत्नी, पुत्र, पुत्रवधू, बेटी, दामाद व उनके पोते, दोते–दोती एवम् भाई, बहन, मित्र और सभी संबन्धी उनकी याद में उनकी बातें करते हैं।

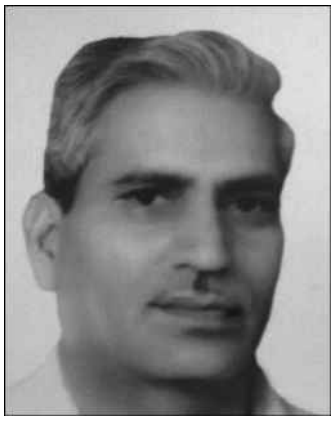

उनकी पुण्य तिथि 8.06.2015 को पत्नी शारदा दत्ता ने 11000 रुपए हरिद्वार आश्रम में लंगर फंड के लिए और उनकी बरसी पर 1100 रुपए लक्ष्मी नारायण मन्दिर मोहयाल कालोनी, झारसा गुड़गांव के दान दिए।–*श्रीमती शारदा दत्ता (पत्नी), पुत्र महेश, स्वाति दत्ता व शिवेन दत्ता, 2097 रानी बाग, दिल्ली–34, मो. 9350871571*

पुण्य-तिथि

स्वर्गीय **श्री बलदेवराज वैद** सुपुत्र स्वर्गीय श्री रामलाल वैद की सताईसवीं पुण्य–तिथि 4 जून 2015 के अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला रानी वैद व पुत्र नरेश वैद व राकेश वैद ने 200 रुपए जीएमएस को विधवा फण्ड के लिए भेंट किए।

■ मैं अपनी माता जी स्व. **श्रीमती प्रेमलता छिब्बर** (पत्नी स्व. श्री कृष्णलाल छिब्बर) की 17वीं पुण्य तिथि 26.05.2015 के अवसर पर विधवा **ट्रस्ट स्व. श्रीमती दिवान देवी** (पत्नी स्व. श्री ईश्वर दास छिब्बर) के लिए 2000 भेंट कर रहा हूँ।

इस अवसर पर अपनी माता जी को निम्न पंक्तियां समर्पित कर रहा हूँ–

ओ माँ

जीवन की किसी भी अवस्था–बचपन, युवा या वृद्धा अवस्था में, खुशी के पल हो या दुःख की घड़ियां हों अनायास ही हमारे मुख से एक शब्द निकल पड़ता है, वह है ''ओ माँ'' ऐसा क्यों होता है, हम नहीं जानते जबकि इस शब्द का हमें ना ही कोई प्रशिक्षण बचपन से लेकर वृद्धा अवस्था तक दिया जाता है, ना ही स्कूल और कालेज तक कि किताबों में कहीं पर भी इसका जिकर नहीं देखने को नहीं मिलता है। समझ में नहीं आता यह कहां से हमारे मन और दिमाग में कब और कैसे समा जाता है।

यह मेरा अपना व्यक्तिगत अनुभव है, शायद पाठकगण इस बात से सहमत ना हों, परन्तु अनुभव करके देखें। हमारे द्वारा जब कभी भी ''ओम'' शब्द का उच्चारण किया जाता है, तो मन को जिस तरह की शांति मिलती है करीब–करीब उतनी ही शांति ''माँ'' शब्द के उच्चारण से मिलती है। ''ओम'' का स्थान तो कोई भी नहीं ले सकता।

हम सब ईश्वर की संतान है, ईश्वर हमें इस दुनिया में किसी अन्य तरीके से भी भेज सकता था। परन्तु हमारा जन्म माँ की कोख से ही होता है। अतः ''माँ'' हमारे लिए ईश्वर की ही दूसरा रूप है शायद दुख और खुशी के पलों में अनानास ही हमारे मुख से शब्द ''ओ माँ'' निकल जाता है।

प्रदीप कुमार छिब्बर, *जगाधरी*
मो. 7206402640

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री ब्रिजमोहन छिब्बर की प्रथम बरसी

दिवंगत ब्रिजमोहन छिब्बर की प्रथम बरसी 12 मई 2015 को बी–1/14, कृष्णा नगर, दिल्ली में की गई। सर्वप्रथम भगवान परशुराम तथा उनके चित्र पर परिवार के सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि की तत्पश्चात हवन किया गया और दोपहर को ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया।

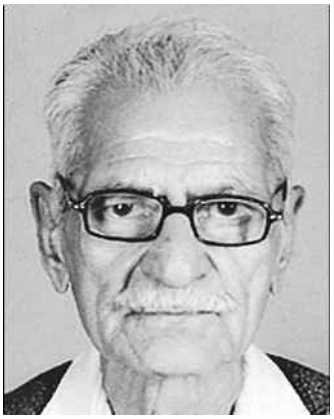

उनकी पत्नी चन्द्रकान्ता छिब्बर ने आर्थिक रूप से कमजोर बहनों के लिए जीएमएस 500 रुपए, मोहयाल सभा यमुनापार, दिल्ली को 500 रुपए प्रतिमास और 500 रु. वनवासी कल्याण तथा 500 रु. सेवा भारती को अर्पित किए। परिवार के सदस्यों ने देवों के देव महादेव से प्रार्थना की कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।–*चन्द्रमोहन छिब्बर (भाई), कमल दत्ता (दामाद) मो. 9250185330*

"वो बुलन्द आवाज जो शान्त हो गई।"

अक्सर लोग कहते हैं कि माँ–बाप कहीं नहीं जाते पास रहते हैं। मुझे तो ऐसा लगता है कि आज सिर्फ तीन महीने ही हुए हैं उनके देहान्त को मेरे पापा जी कहीं गए हैं आ जायेगें। जब हम छोटे थे तो सोच कर डर जाते थे कि हमारे माँ–बाप को कुछ हो गया तो क्या होगा। परन्तु समय यानि भगवान ही एक सहारा है जो हमें हौसला देता है। मैं आज भी अकेले में अपने माँ–बाप से बातें करती हूँ और महसूस करती हूँ, जवाब मिला है। इसे मेरा भ्रम कहें या विश्वास मेरे लिए सच्चाई है।

हमारे पापाजी की आवाज में वो कशिश थी कि कभी किसी सभा में चाहे सुख की हो या दुःख की लोग उन्हें अक्सर सुनने के लिए तत्पर रहते थे। शब्द अंग्रेजी के हो, उर्दु के या हिन्दी के उनकी कलम की ताकत का कोई जवाब नहीं था। शब्दों को पिरोना तो उनकी एक कला थी। कभी कोई तकरीर करनी हो, कोई तैयारी की उनको कोई जरूरत नहीं होती थी। स्पष्ट, सुन्दर मौके व कारण के अनुसार बोलना उनके लिए कोई सोच का विषय नहीं हुआ करता था। हमारी बिरादरी को तो अपने बच्चों की तरह मानते थे उनका Passion GMS के लिए जो हमने इतने पास से देखा है वो उनके पिछले 50 साल के रिश्ते से नज़र आता है। बिरादरी ने भी जो मान उन्हें दिया है, उसका कोई मुकाबला नहीं हम सब उनके आभारी हैं।

आवाज की वो गूँज, गहराई, ताकत कशिश जैसे एक फूलों के गुलदस्ते में पिरो कर कहाँ चले गए। आज हम तरसते हैं कि वो आवाज सुनें। उम्र जितनी बढ़ती है रिश्ते उतने मजबूत होते हैं और फिर उन्हें भूलना नामुमकिन है। आज भी कभी बैठे–बैठे वो आवाज कानों में गूँजती है। माँ जितनी शान्त व धीरे से बोलती थी पापाजी की आवाज उतनी ही बुलन्द थी। हम सब बहन–भाई गर्व से कहते हैं कि हम उनकी औलाद है, जिनकी आवाज बिरादरी की सेवा, बच्चों की शिक्षा, समाज के न्याय, गरीबों की मदद, हर किसी के सुख व दुःख में सांत्वना देने के लिए, हमेशा से उठती थी। हमारे तो कानो में ही गूँजती है वो आवाज! मैं बड़े गर्व व मान से कहती हूँ कि उनके बनाए सिद्धांतों की आवाज हमेशा हमेशा सब को सहायता होगी। इतिहास के पन्नों पर भी उसकी चर्चा जरूरी होगी। उन्हें पहले ही बिरादरी का Encydopedia कहा जाता है।

वो प्यार की आवाज जो सिर पर हाथ रखती थी, वो पथ प्रदर्शक आवाज जो हर मुसीबत में सहारा देती थी, वो बुलंद आवाज जो जीने का राह दिखाती थी, वो गहरी व भावुक आवाज जो दुःख बाँटती थी, अब सिर्फ गूजँती है वो भी कानो में, मन में।

प्रभा मेहता *(पुत्री)*
डी–20ए सनसिटीए सेक्टर–54, गुड़गांव
(मो. 9810797567)

कोशिश

लिखना मेरी कोशिश है और मेरी कोशिश को मेरा परिवार हौंसला देकर आगे बढ़ता है। और आप भी यह बात मानेंगे कि कोशिश और हौंसला रेल की पटरी के समान है जो हमेशा साथ–साथ चलते हैं। और इंसान उस पर चलने वाली रेलगाड़ी की भांति है जो इस पर चलकर अपनी मंजिल व उद्देश्य को पूरा कर पाता है।

ईश्वर ने हमें बनाया पाँच तत्वों की सहायता से पर उसका उद्देश्य हमें बनाकर धरती पर भेजना नहीं था, उसने हमारे साथ सुख दुःख, तकलीफ, परेशानियां, मुश्किलें भी दी और इससे उभरने के लिए हमें आत्मविश्वास दृढ़ निश्चय विश्वास और कोशिश जैसी शक्तियों से भी जोड़ दिया, जिसका सहायता से हम हर मुश्किल का सामना डटकर कर सकते हैं, जिस तरह एक पत्थर को तराश कर हीरे का रूप दिया जाता है, उसी प्रकार ईश्वर ने हमें इन शब्दों के से हीरा बनकर चमकने का रास्ता दिखाया। हमारा शरीर तो एक दिन इन्हीं पाँच तत्वों में लीन हो जाता है, पर हमारी कोशिशों से किया गया एक भी अच्छा कार्य हमें सालों तक याद रखने वजह देता है। महात्मा गाँधी जी, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह, लाला लाजपतराय जैसे अनगिनत नाम है, जो अपनी कोशिशों से हमें गुलामी की जंजीरों से आजाद करवा गए, और इतिहास में नाम कर गए। महाभारत के ग्रंथ में वीर एकल्व्य को गुरू द्रोणाचार्य से शिक्षा प्राप्त न होने पर उन्होंने अपनी कोशशों से धर्नुविधा सीखी और अर्जुन के समान वीर यौद्धा बनकर गुरू द्रोणाचार्य के सामने आ खड़े हुए, जिस पर गुरू द्रौण को भी मान हो उठा। इंशान थकता, हारता, रुकता है पर कोशिश, दृढ़संकल्प, आत्मविश्वास इंसान के थके हुए शरीर में भी जान डाल देते हैं। और वह फिर उठ खड़ा होता है मुश्किलों का सामना करने को। जब कुएँ से पानी खींचने वाली रस्सी पत्थर पर अपने होने का सबूत दे सकती है तो हम अगर कोशिश करते चल जाए क्या नहीं कर सकते।

जनरल मोहयाल सभा की बुनियाद भी तो कोशिशों का नतीजा है जो कठिनाई व मुश्किलों को अपनी कोशिशों से हराती आ रही है, और अनगिनत लोगों के जीवन में नई आशा की किरण भरती जा रही है। कहा भी गया कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। हम हमेशा यही चाहेंगे कि जनरल मोहयाल सभा अनगिनत कोशिशों में जुडती चली जाए और ऊँचाइयों को छूती चली जाए।

प्रिया बाली *(मो.) 9873992990*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

संस्कृति का इन्द्र-धनुष

भारत के प्रसिद्ध महाराजा श्री भर्तु हरि ने अपने नीति शास्त्र में लिखा है कि नीच पुरुष डर के कारण काम के शुरु ही नहीं करता है और मध्यम पुरुष काम में बार–बार रुकावटें आने के कारण काम को बीच में ही छोड़ देता है, लेकिन उत्तम पुरुष काम में आने वाली रुकावटों आने पर भी सफलता पूर्वक पार कर विजय ही प्राप्त कर लेता है। निसन्देह हमारे प्रधान श्री बी. डी. बाली जी उत्तम पुरुष है।

अमीरी में फ़कीरी देखनी हो तो हमारे प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली जी को ही देख लीजिए, क्योंकि अपने धन से अपने परिवार का पालन–पोषण करना तो एक आत्मिक आनन्द है लेकिन अपने धन से दूसरों का कल्याण करना एक परमात्मिक आनन्द है, हमारे प्रधान जी इसका जीवन्त प्रमाण है।

इस फ़कीर ने मोहयाली कौम को धरती पर ही चार चाँद लगा दिए हैं। इन्होंने अपनी कौम के लिए एक "जन्नती दरवाजा" यानी मोहयाल फांउडेंशन बना कर कौम का मस्तक तो ऊँचा किया ही है, इसके साथ–साथ अपनी माता जी श्रीमती लीलावंती और अपने पिता जी श्री टेकचन्द बाली जी का नाम भी स्वर्णाक्षरों में लिखवा दिया है।

मोहयाली कौम चाहे अपने देश भारत वर्ष में है या दुनियाँ के किसी भी देश में है, उसकी पहचान इस मोहयाल फाउन्डेशन दिल्ली से जुड़ी हुई हैं। वह इसे अपनी उन्नति और कल्याण का प्रतीक मानती है। क्योंकि यहीं से छोटी सी उम्र में ही प्रतिभाशालिता का भाव जाग्रत किया जाता है। पुत्र–पुत्री का विवाह हेतु मंच की स्थापना, विधवाओं हेतु आर्थिक सहायता और प्राकृतिक आपदा के समय इमदाद और इसके साथ–साथ रुग्णावस्था होने पर मद्द की नई मिसाल श्री रामनाथ जी बख्शी तथा इनकी पत्नी श्रीमती प्रेमलता बख्शी, राजागार्डन, नई दिल्ली द्वारा बीस लाख का दान तथा बोब व्हाइट वैस्ट लैंड यू.एस.ए. से डॉ. सुरिन्द्र दत्ता के परिवार से तीस लाख रुपया का दान (जून 2015 मो.मित्र) कौम की उन्नति के प्रेरणास्त्रोत श्री बीडी बाली जी के कारण हैं।

इस इक्कीसवीं सदी में हम बाकी कौम के मुकाबले इक्कीस ही साबित हो रहे हैं। चाहे वह फौज में, खेती बारी में, शिक्षा के क्षेत्र में, प्रशासनिक सेवाओं में तथा व्यापारिक क्षेत्रों में सभी जगह पर पिछले तीस–चालीस बरसों में हमने अपनी जड़ों को मजबूत कर लिया है, इसमें हमारे परिवार की महिलाओं का योगदान स्तुत्य है।

बरसात के बाद जिस तरह हम आसमान में सात रंगों का एक इन्द्र धनुष देखकर प्रसन्न होते हैं ठीक उसी तरह सात जातियों का यह इन्द्र धनुष (मोहयाल फांउडेशन) अपनी छाटा इस पृथ्वी नाम के ग्रह को आलोकित कर रहा है। यही हमारी संस्कृति का इन्द्र धनुष भी है, यानी मोहयाल फाउन्डेशन हमारी पहचान बन चुका है यह हमारी राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन चुका है।

स्मरणीय है कि इस मोहयाल फाउंडेशन की सरकारी रूप से स्वीकृति हमारे श्री जगमोहन साहब ने दिल्ली का उपराज्यपाल होते हुए दी और इस स्वीकृति का प्रयत्न मोहयाल रत्न श्री एस. के. छिब्बर साहब ने किया और इसके प्रेरणास्त्रोत रहे हमारे प्रधान और मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी। परमात्मा से प्रार्थना है कि ये सभी महानुभाव सपरिवार सानन्द रहें। जय मोहयाल !–***नरेन्द्र लव,*** *शाहदरा, दिल्ली (मो.) 9911564481*

काम के नुस्खें

यदि जामुन ज्यादा खा लिया हो व इससे जी मिचला रहा हो तो आम की एक फाँक खा लेने से तत्काल राहत महसूस होने लगती है।

मूली ज्यादा खा ली हो तो चौथाई चम्मच अजवायन फाँक लें या मूली का ऊपरी मुलायम पत्ता खा लेने से गैस या अपच नहीं होती।

मूली के तीन–चार पत्ते खाने से हिचकी दूर होती है।

केले ज्यादा खा लिए हों तो एक इलायची चबा लें, केला हजम हो जाएगा।

बदन में थकावट का दर्द होने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर गुनगुना कर लें व पूरे बदन पर मालिश करके गर्म पानी से नहा लें। इससे राहत मिलेगी।

जी मिचला रहा हो और उल्टी हो रही हो तो 4–5 लौंग, एक चम्मच चीनी में बारीक पीसकर चुटकी–चुटकी भर जीभ पर रखकर चाटने से आराम मिलता है।

मूँग की दाल रात को भिगोकर सुबह उसमें 2 लौंग डालकर बनाया जाए तो ज्यादा पाचक होती है व गैस भी नहीं बनती।

मेथी को अजवायन के संग बराबर मात्रा में लेकर पीस लें व खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ फाँक लें। गैस–अपच नहीं होगी और कब्ज भी नहीं रहेगा।

साबुत काली मिर्च व मिश्री चबाने से गले की खराश तत्काल दूर हो जाती है।

मोहयाल मित्र में रचनाएँ

- लोकल मोहयाल सभाओं की रिपोर्ट टाइप कराकर भेजें। अधिकतर रिपोर्ट में मात्राओं की इतनी अधिक अशुद्धियाँ होती हैं जिन्हें ठीक करना संभव नहीं होता। हाथ से लिखी रिपोर्ट कंप्यूटर–आपरेटर पढ़ नहीं पाते। किसी हिंदी के जानकर सदस्य से रिपोर्ट तैयार कराएँ और टाइप करवाकर भेजने का कष्ट करें। कृपया सहयोग करें। इस पर तुरंत ध्यान दें।
- मोहयाल मित्र में प्रकाशित प्रत्येक लेख, समाचार, रिपोर्ट, रचना के लिए जनरल मोहयाल सभा, मोहयाल मित्र संपादक, प्रकाशक उत्तरदायी नहीं हैं। इनमें व्यक्त विचार लेखकों, पदाधिकारियों के हैं।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल मित्र घर-घर पहुँचे

मोहयाल मित्र जब भी महीने की आखिर तारीखों में घर पहुँचता हैं और इसको पढ़ने के बाद मन को ऐसा लगता है कि जैसे किसी रिश्तेदार की चिट्ठी आई है और चिट्ठी (मोहयाल मित्र) पढ़ने के बाद घर के सभी सदस्यों रिश्तेदारों का हाल–चाल जान लिया हो। मोहयाल बिरादरी के हमारे बुर्जग जो इस दुनिया से बिछड़ कर और हम को छोड़ कर स्वर्ग सिधार गए हैं इसकी जानकारी जब मोहयाल मित्र से मिलती है सुनकर दुख होता है और जब इसकी चर्चा हम घर में अपने बुर्जगों से करते हैं तो वे यह ऐसे दुखद समाचार सुनकर अफसोस प्रकट करते हैं और अतीत में चले जाते हैं और पाकिस्तान में बचपन की बीती बातों को सुनाने लगते हैं। बुर्जगों का मोहयाल मित्र से लगाव बहुत ही ज्यादा है। मोहयाल मित्र में बच्चों के जन्म–दिन की तस्वीरें और बड़े बच्चों की शादी की तस्वीरें देखकर ऐसा प्रतीत होता है और आखों में थोड़ी लाली आती है जिससे मोहयाल मित्र के ये तस्वीरों वाले पन्ने ब्लैक एंड वाईट होकर भी रंगदार लगने लगते हैं। जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल बिरादरी के शिक्षावान बच्चों को पुरस्कृत करना और मोहयाल मित्र में इनका गुणगान बहुत ही अच्छा कार्य है।

"मोहयाल मित्र के बढ़ते कदम कुछ ऐसे आगे निकल आये हैं।
जो चेहरे मोहयालों के कभी नहीं देखे, वो मोहयाल मित्र ने हमें दिखाये हैं।"

मोहयाल कौम देश की सबसे उत्तम और निडर कौम है। यह कौम से सप्त ऋषि की सन्तान हैं और इनकी बहादुरी के किस्सों से देश का इतिहास भरा पड़ा है जाहिर है इस गर्म खून, गर्म जोशीले वाले बिरादरी के लोगों और देश में छूटी कौम को एक मंच पर लाना बहुत ही कठिन कार्य है। पर मैं बधाई देता हूँ हमारे सर्वमान्य श्री बी.डी. बाली साहेब को जिन्होंने अपनी जी.एम.एस. की पूरी संचालक टीम के साथ मिलकर इन सब मोहयालों को जोड़ा ही नहीं बल्कि तरक्की के ऐसे हिमालय पर स्थापित कर दिए हैं जहां देश की दूसरी कौमों के हर कोई व्यक्ति इनको टकटकी लगाए देख रहा है कि काश हम भी इनकी तरह होते और समाज में इस बारे में मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं दुआ करता हूँ कि श्री बी.डी. बाली जी के दिशा निर्देश से पूरी मोहयाल बिरादरी और तरक्की करें।

मोहयाल मित्र के अंग्रेजी और हिन्दी के संपादक बहुत ही अच्छी समझ रखते हैं। मोहयाल बिरादी बड़े–बड़े अफसर, राजनेता, अभिनेता और जो समाज के बड़े–बड़े कार्यों से जो लोग जुड़े हैं उनका वर्णन मोहयाल मित्र में अक्सर होता है जो बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोहयाल मित्र में संपादकों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में सरल भाषा का प्रयोग हर किसी की समझ के अनुरूप है। संपादकों द्वारा अपना वक्त मोहयाल मित्र और सामाजिक कार्यों के लिए देना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं जी.एम.एस. को एक सुझाव भेज रहा हूँ कि जितनी भी भारत वर्ष में नगरों कस्बों में मोहयाल सभाऐं हैं उनको लिखकर भेजे की मोहयाल मित्र को घर–घर में पहुँचाने का कार्य करें और सदस्य बनाऐं जो सबसे सराहनीय कार्य होगा। पूरी मोहयाल कौम को नतमस्तक प्रणाम।

मोहयाल मित्र का सबके घर–घर होना, बहुत ही जरूरी है।
इस मित्र के बिना मोहयालों के बारे में जानकारी अधूरी है।।

–रविन्द्र मेहता 'लौ'

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखें। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

जी.एम.एस. और मोहयाल मित्र के सदस्य बनें

- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं
- जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनें। आजीवन सदस्यता शुल्क 3100 रु. है। मोहयालों की सर्वोच्च संस्था के कदम के साथ कदम मिलाकर चलें। आजीवन सदस्यों को मोहयाल मित्र आजीवन निःशुल्क मिलता है।
- मोहयाल मित्र कोरियर से प्राप्त करने के लिए कार्यालय से संपर्क करें।

समस्त जानकारियों के लिए संपर्क करें–011–26560456

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

12th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2015

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 80 percentage and above **Last Date: 31st August 2015**

1. Name: ..... (Caste– Bali, Bhimwal , Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)
2. Mother's Name: .....
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: ..... (Class passed .....)
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....

   E-mail: ....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	**Percentage .....**

....

Signature of student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2015 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor